उत्तर प्रदेश नवाचार में देश का अग्रणी राज्य

■ अजित खरे

लखनऊ। यूपी नवाचार के मामले में तेजी से उभरते हुए आगे बढ़ रहा है। दस साल में उसकी देश भर में हिस्सेदारी 5.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत हो गई है। इस मामले में पंजाब ने भी लंबी छलांग लगाई है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी इस क्षेत्र में अगुवा राज्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना, राजस्थान व उत्तराखंड भी नए नवाचारों में तेजी से पांव पसार रहे हैं। इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रिकल, फार्मा, एग्रोकैमिकल्स, बायोटेक्नालॉजी हो या कंप्यूटर सांइस। इन जैसे विविध क्षेत्रों में नए

प्रयोग व आविष्कार किए जा रहे हैं और उनका पेटेंट भी खूब हो रहा है। इन सेक्टर से जुड़ी औद्योगिक नीतियों में शोध व अनुसंधान को बढ़ावा देने को भी सरकार बड़ी रियायतें व राहत दे रही हैं। सबसे ज्यादा नवाचार इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र में हो रहे हैं। इसके अलावा संचार, कपड़ा , खाद्य, पालीमर व बायोकेमेस्ट्री क्षेत्र में भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

05 फीसदी थी यूपी की हिस्सेदारी 2004 से 2013 के बीच

5.8 फीसदी के साथ पंजाब देश में दूसरे नंबर पर

नवाचार में राज्यों की हिस्सेदारी प्रतिशत में

राज्य	2004-13	2014-23
यूपी	5.0	7.2
पंजाब	1.0	5.8
गुजरात	4.5	4.6
तेलंगाना	0.1	4.0
हरियाणा	2.7	2.9
राजस्थान	1.2	2,3
उत्तराखंड	0.7	1.4
ओडिसा	0.8	0.9

अब शैक्षिक व वैज्ञानिक संस्थान आगे

वर्ष 2004 से 2013 तक आविष्कारों में भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत थी जबकि भारतीय शैक्षिक व वैज्ञानिक संस्थानों का योगदान केवल 15 प्रतिशत था। इसके अगले दशक यानी 2014 से 2023 तक संस्थाओं की हिस्सेदारी बढ़कर दुगनी हो गई। इन संस्थाओं ने नवाचार की संस्कृति को खासा बढ़ावा दिया।